राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC): रिक्तियां, सुधार और चुनौतियां

इस लेख में क्या अपेक्षा करें:

- सिविल सेवा परीक्षा में विषय का महत्व
- चर्चा में क्यों?
- एनएमसी का परिचय
- अंशकालिक सदस्यों के लिए चयन प्रक्रिया
- एनएमसी के लिए रिक्तियां और निहितार्थ
- चार स्वायत्त बोर्डों की भूमिका
- एनएमसी के अंतर्गत सुधार
- आगे का रास्ता/निष्कर्ष
- प्रारंभिक परीक्षा के अभ्यास प्रश्न
- मुख्य परीक्षा के अभ्यास प्रश्न

सिविल सेवा परीक्षा के लिए इस विषय का महत्व:

- प्रारंभिक परीक्षा: वैधानिक और नियामक निकायों की कार्यप्रणाली और भूमिका को समझना।
- मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-II - सामाजिक न्याय से संबंधित विषय - भारत में लोक स्वास्थ्य एवं प्रशासन और चिकित्सा शिक्षा।

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) में रिक्तियों को भरने के लिए अंशकालिक (Part-time) नियुक्तियाँ की हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जताई है और उनका मानना है कि देश के सर्वोच्च चिकित्सा शिक्षा नियामक निकाय में इन रिक्तियों का असर भारत में चिकित्सा शिक्षा के प्रभावी कामकाज पर गंभीर रूप से पड़ सकता है।

NMC का परिचय:

• राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC), जो राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के तहत स्थापित हुआ, ने भारतीय चिकित्सा परिषद (Medical Council of India - MCI) का स्थान लिया है, जो 1934 से भारत में चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लिए नियामक निकाय रहा था।

• NMC की प्रमुख भूमिका चिकित्सा शिक्षा को विनियमित करना, चिकित्सा संस्थानों के लिए नीतियाँ निर्धारित करना और चिकित्सा पेशेवरों के बीच नैतिक आचरण सुनिश्चित करना है।

• NMC का मुख्यालय (Headquarer) नई दिल्ली में स्थित है और इसकी स्थापना भारत के स्वास्थ्य सेवा नियामक ढांचे में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

• एनएमसी में 33 सदस्य होते हैं, जिनमें एक अध्यक्ष, 10 पदेन सदस्य और 22 अंशकालिक सदस्य शामिल हैं। ये सदस्य चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित चार स्वायत्त बोर्डों के कार्यों का समन्वय करते हैं।

अंशकालिक सदस्यों के लिए चयन प्रक्रिया:

• जुलाई 2025 में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एनएमसी और इसके चार स्वायत्त बोर्डों के लिए 24 अंशकालिक सदस्यों का चयन करने के लिए लॉटरी प्रक्रिया का उपयोग किया।

• इस प्रक्रिया का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा नामित सदस्यों में से चयन में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना था।

• लॉटरी के माध्यम से, गुजरात, राजस्थान, और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों द्वारा नामित सदस्यों में से 10 अंशकालिक सदस्यों का चयन किया गया। इस पद्धति ने नियुक्तियों में निष्पक्षता सुनिश्चित की और एनएमसी में रिक्तियों के संकट का समाधान किया।

Result Mitra

एनएमसी के लिए रिक्तियां और निहितार्थ:

• रिक्तियों का मुद्दा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती रहा है, जिसमें स्वायत्त बोर्डों के अध्यक्ष और सदस्यों सहित कई पद महीनों से खाली पड़े हुए हैं।

• नेतृत्व की कमी के कारण नीतिगत निर्णयों में देरी हुई है, मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण रुके हैं और मान्यता प्रक्रिया प्रभावित हुई है। इन रिक्तियों के कारण एनएमसी की नियमों को लागू करने, सुधारों का समन्वय करने और मेडिकल कॉलेज प्रवेश का प्रबंधन करने की क्षमता काफी प्रभावित हुई है।

• नियुक्तियों में देरी के कारण भारत में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा वितरण पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। उदाहरण के लिए, प्रमुख कर्मियों की कमी के कारण नई मेडिकल सीटें जोड़ने और नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया रुकी हुई है।

चार स्वायत्त बोर्डों की भूमिका:

एनएमसी में चार स्वायत्त बोर्ड शामिल हैं जो चिकित्सा शिक्षा प्रणाली के विशिष्ट क्षेत्रों का प्रबंधन करते हैं:

• **स्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड:** स्नातक चिकित्सा शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम तैयार करता है और मानक निर्धारित करता है।

• **स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा बोर्ड:** स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण का विनियमन करता है।

• **चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड:** यह सुनिश्चित करता है कि चिकित्सा संस्थान स्थापित मानकों का पालन करें और मान्यता प्रक्रिया की देखरेख करता है।

• **नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड:** राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर बनाए रखता है और चिकित्सा पेशे में नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देता है।

ये बोर्ड एनएमसी के तत्वावधान में काम करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चिकित्सा शिक्षा प्रणाली उच्चतम मानकों का पालन करे और चिकित्सक अपने पूरे करियर में नैतिक आचरण बनाए रखें।

Result Mitra

एनएमसी के तहत सुधार:

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से कई सुधार पेश किए हैं। सबसे उल्लेखनीय परिवर्तनों में से एक है नेशनल एग्जिट टेस्ट (NEXT), जो निम्नलिखित कार्य करता है:

- एमबीबीएस के अंतिम वर्ष की सामान्य परीक्षा,
- चिकित्सा पद्धति के लिए एक लाइसेंसधारी परीक्षा,
- स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक मानदंड।

इसके अतिरिक्त, एनएमसी संकाय की कमी, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों में मांग-आपूर्ति के अंतर और चिकित्सा शिक्षा में सामाजिक उत्तरदायित्व की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए काम कर रहा है। NEXT की शुरुआत पूरे देश में एक समान मानक सुनिश्चित करती है और चिकित्सा शिक्षा में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप है।

निष्कर्ष:

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) में सख्त नियामक मानकों को लागू करके, नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देकर और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश में पारदर्शिता सुनिश्चित करके भारत की चिकित्सा शिक्षा प्रणाली को बदलने की क्षमता है।
- हालांकि, इन सुधारों को साकार करने के लिए, नेतृत्व के रिक्त पदों को तत्काल भरना ज़रूरी है। पूरी तरह से कार्यात्मक एनएमसी के बिना, सुधारों का कार्यान्वयन और चिकित्सा शिक्षा का प्रभावी विनियमन प्रभावित रहेगा।
- अंशकालिक सदस्यों की नियुक्ति के लिए लॉटरी पद्धति पारदर्शिता बनाए रखने की एक अच्छी पहल है, लेकिन एनएमसी की सफलता के लिए नेतृत्व में दीर्घकालिक स्थिरता आवश्यक है।
- राष्ट्रीय एक्ज़िट टेस्ट (नेक्स्ट) एक ऐतिहासिक सुधार है जिसे भारत के सभी चिकित्सा संस्थानों में पूरी तरह से एकीकृत किया जाना चाहिए ताकि एक एकीकृत चिकित्सा शिक्षा ढाँचा तैयार किया जा सके जो देश की स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

Result Mitra

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1: राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के बारे में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

1. NMC ने 2020 में भारतीय चिकित्सा परिषद (MCI) का स्थान लिया।
2. NMC भारत में चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा पेशेवरों के विनियमन के लिए उत्तरदायी है।
3. NMC के पाँच स्वायत्त बोर्ड हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) 1, 2 और 3
d) केवल 1

प्रश्न 2: राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के तहत निम्नलिखित में से कौन से सुधार लागू किए गए हैं?

1. नेशनल एग्जिट टेस्ट (NEXT) MBBS स्नातकों के लिए एक लाइसेंसधारी परीक्षा है।
2. NMC भारत में केवल स्नातक चिकित्सा शिक्षा का विनियमन करता है।
3. NMC के पास निजी चिकित्सा संस्थानों की शुल्क संरचना को विनियमित करने का अधिकार है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर:

1. a) केवल 1 और 2
2. a) केवल 1 और 3

Result Mitra

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1: भारत में चिकित्सा शिक्षा को विनियमित करने के अपने मिशन में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के सामने आने वाली चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की गुणवत्ता पर इन चुनौतियों के प्रभाव पर चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

प्रश्न 2: राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) द्वारा अपने सुधारों के एक भाग के रूप में शुरू किए गए राष्ट्रीय एक्जिट टेस्ट (NEXT) के महत्व का मूल्यांकन कीजिए। यह भारत में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को कैसे प्रभावित करता है? (10 अंक, 150 शब्द)

Result Mitra